कृषि विज्ञान केंद्र बरेली द्वारा फसल अवशेष प्रबन्धन किसान मेले का आयोजन

कृषि विज्ञान केंद्र, भकृअनुप–भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, बरेली द्वारा आज दिनाँक 23 दिसम्बर, 2021 को किसान सम्मान दिवस के अवसर पर ग्राम भिलैइया, विकासखंड बहेड़ी में एक दिवसीय फसल अवशेष प्रबन्धन किसान मेला एवं प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। यह किसान मेला श्री सालिकराम एस॰वी॰एम॰ इंटर कॉलेज, भिलैइया, बहेड़ी के प्रांगण में आयोजित किया गया। यह मेला मुख्य रूप से खेत में ही फसल अवशेष प्रबंधन कैसे करें विषय पर आधारित था।

आज के इस मेले का उद्घाटन विकासखंड बहेड़ी के ब्लाक प्रमुख श्री अमरिंदर सिंह उर्फ गोल्डी ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन करके किया। इस अवसर पर प्रसार शिक्षा विभाग आईवीआरआई के विभागाध्यक्ष डॉ॰ महेश चंद्र, इंटर कॉलेज के प्रबन्धक श्री एम प्रसाद गंगवार, डॉ॰ बृजपाल सिंह, ग्राम प्रधान, भिलैया श्री देवदत्त गंगवार, व अन्य वैज्ञानिको, अधिकारियों ने भी दीप प्रज्वलन किया।

कार्यक्रम का संचालन श्री रंजीत सिंह ने करते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की एवं कार्यक्रम में उपस्थित सभी कृषको, महिलाओं व विशिष्ट अतिथियों का आभार व्यक्त किया। श्रीमती बाणी यादव ने कृषि विज्ञान केंद्र की ओर से सभी विशिष्ट अतिथियों एवं अधिकारियों कृषको स्वयंसेवी संगठन की महिलाओं का स्वागत किया। स्वागत स्वरुप इंटर कॉलेज की छात्राओं द्वारा स्वागत गीत एवं सरस्वती वंदना भी प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम के प्रारंभ में श्री राकेश पांडे विषय विशेषज्ञ कृषि विज्ञान केंद्र, बरेली द्वारा फसल अवशेष प्रबंधन कैसे करें, उसके लाभ, सरकार द्वारा प्रदत्त विभिन्न योजनाओं के साथ इस समय किसानों के खेत में खड़ी फसलों में सामायिक कार्यों की जानकारी दी। डॉ॰ बृजेश यादव, वरिष्ठ वैज्ञानिक आईवीआरआई ने पशुओं में बांझपन की समस्या व उसके निदान के बारे में बताया। डा. डीवी मंडल, प्रधान वैज्ञानिक, मेडिसिन

विभाग ने पशुओं में होने वाले सामान्य रोग एवं उनके निदान के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर जनपद बरेली के ऐसे प्रगतिशील कृषकों को प्रशस्ति पत्र एवं इस स्प्रेयर से सम्मानित किया गया, जिन्होंने अपने खेत में ही नही बल्कि अपने संपूर्ण गांव में किसी को भी पराली नही जलाने दी। फसल अवशेष प्रबंधन के उत्कृष्ट कार्य हेतु एवं गाँव में पूर्ण रूप से पारली जलाने को रोकने में कृषि विज्ञान केन्द्र बरेली को सफलता पूर्वक सहयोग करने के लिए कृषि विज्ञान केन्द्र बरेली द्वारा जनपद के कृषक उत्पादक संघों को ब्लाक प्रमुख के हाथों सम्मानित कराया गया जिसके लिए उन्हें प्रशस्ति पत्र तथा एक-एक स्प्रेयर प्रदान किया गया। साथ ही कालेज की जिन छात्राओं द्वारा स्वागत गीत एवं सरस्वती वंदना भी प्रस्तुत की थी ,उनको भी प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित श्री शालिक राम इंटर कॉलेज के प्रबंधक श्री एम. प्रसाद गंगवार ने कृषि विज्ञान केंद्र की बहेड़ी क्षेत्र के गांवो में किए जाने वाले प्रसार कार्यों की प्रशंसा की एवं आशा व्यक्त की कि भविष्य में इस क्षेत्र के किसानों व महिलाओं को अधिक से अधिक प्रशिक्षण दिए जाएंगे। श्री रंजीत सिंह, विषय विशेषज्ञ बागवानी द्वारा कृषकों को गन्ने की फसल में सहफसली खेती के रूप में मटर, धनिया प्याज, सरसों, मसूर आदि की वैज्ञानिक जानकारी दी।

इससे पूर्व कार्यक्रम के आरंभ में डॉ रंजना गुप्ता ने स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को सशक्तिकरण हेतु फल सब्जियां परिरक्षण कैसे करें, की जानकारी दी एवं स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत व्यक्तिगत, घर व खानपान में स्वच्छता संबंधी विभिन्न बातों को बताया। श्रीमती बाणी यादव ने महिलाओं को "दिशा" योजना की जानकारी दी।

कार्यक्रम के अंत में अपने अध्यक्षीय भाषण में डॉक्टर महेश चंद्र, विभागाध्यक्ष प्रसार शिक्षा में सभी उपस्थित कृषको एवं महिलाओं का आवाहन किया कि सरकार की अनेकों योजनाएं आप के विकास के लिए उपलब्ध है, आप उनकी जानकारियों को हासिल करें, उन में बढ़ चढ़कर हिस्सा लें एवं कृषि विज्ञान केंद्र या कृषि के अन्य संस्थानों से नियमित रूप से जुड़े रहें। जिससे आप स्वरोजगार भी प्राप्त करेंगे, स्वाबलंबी भी बनेंगे व अपनी आय में वृद्धि कर सकेंगे। कार्यक्रम के अंत में डॉक्टर बृजपाल सिंह, प्रभारी, कृषि विज्ञान केंद्र बरेली द्वारा फसल अवशेष प्रबंधन के महत्व के बारे बताया व इस तरह के कार्यक्रमों में कृषकों की अधिक से अधिक भागीदारी पर बल दिया। आपने इस कार्यक्रम को सफल बनाने में सभी विशिष्ट अतिथियों, अधिकारियों, वैज्ञानिकों, कर्मचारियों कृषको, कृषक महिलाओं का आभार व्यक्त किया। इस कार्यक्रम में 732 प्रतिभागियों (जिनमें 355 महिला कृषक एवं 272 पुरुषों तथा 105 छात्र-छात्राओं) ने भाग लिया) साथ ही पशु विज्ञान प्रदर्शनी मैं भी 350 से अधिक कृषकों व महिलाओं ने जानकारी प्राप्त की। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में श्री दुर्गा दत्त शर्मा, श्री मनीष तोमर, श्री वीर

सिंह, श्री सुनील कुमार, श्री जेपी सिंह , श्री नरेश कुमार, पूरन सिंह चकवाल, श्रीमती रतन कौर रियासत हुसैन श्री त्रिलोक सिंह ,ऐबरन, रामकुमार आदि का भी योगदान रहा।